हिंदी ने देश को एक सूत्र में पिरोने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है : डॉ पंचारिया

● सीएसआईआर-सीरी, पिलानी में हिंदी दिवस एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन

वीडी न्यूज

पिलानी। सीएसआईआर-केन्द्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीरी), पिलानी में आयोजित हिंदी सप्ताह का समापन 14 सितंबर को हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ। पुरस्कार वितरण समारोह में संस्थान के निदेशक डॉ पी सी पंचारिया ने हिंदी प्रतियोगिताओं के सभी विजेताओं को पुरस्कृत किया। संस्थान में लागू राजभाषा प्रोत्साहन योजनाओं के अंतर्गत भी सहकर्मियों को पुरस्कृत किया गया। हिंदी में सर्वाधिक एवं विशिष्ट कार्य करने वाले प्रशासनिक, तकनीकी एवं वैज्ञानिक अनुभागों/प्रभागों को राजभाषा चल वैजयंती प्रदान की गई। प्रशासनिक वर्ग में वित्त एवं लेखा अनुभाग तथा तकनीकी वर्ग में ज्ञान संसाधन केंद्र तथा वैज्ञानिक वर्ग में पीएमईबीडी प्रभाग को राजभाषा चल वैजयंती प्रदान की गई। इस अवसर पर डॉ पंचारिया एवं डॉ कर्माकर ने राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा संस्थान के राजभाषा कार्यकलापों से संबंधित पत्रिका 'राजभाषा संदर्शिका 2021-22' विमोचन भी किया। गतवर्ष केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान, नई दिल्ली के भाषा शिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत हिंदी प्रबोध परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले सहकर्मियों को भी प्रमाणपत्र वितरित किए गए।

संस्थान के निदेशक डॉ. पी.सी. पंचारिया ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में स्वतंत्रता संग्राम में हिंदी की भूमिका और इसके योगदान की चर्चा की। उन्होंने हिंदी के प्रभाव और महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यद्यपि भारत बहुभाषी देश है परंतु हिंदी की लोकप्रियता, पहचान और बोलने-समझने वालों की संख्या के आधार पर इसे ही संविधान निर्माताओं ने राजभाषा के पद पर प्रतिष्ठित किया। उन्होंने बताया कि कश्मीर से कन्याकुमारी तक पूरे भारत को एक सूत्र में पिरोने में हिंदी की बड़ी भूमिका रही है। हिंदी दिवस के इतिहास पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि हम सभी को अपनी भाषा के इतिहास की जानकारी भी होनी चाहिए। डॉ पंचारिया ने विज्ञान और तकनीकी के साथ-साथ संस्थान में इन प्रतियोगिताओं के आयोजन में नवाचार लाने पर भी बल दिया। अंत में उन्होंने सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई देते हुए सभी प्रतिभागियों को अपने प्रदर्शन के साथ-साथ दैनिक कार्यालयी कार्यों में और अधिक सुधार लाने का आह्वान किया।

हिंदी सप्ताह आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ अभिजीत कर्माकर ने वर्षपर्यन्त आयोजित गतिविधियों की जानकारी देते हुए सहकर्मियों से अपील की कि भय व संकोच को त्याग कर अपने सरकारी और निजी कार्यों में हिंदी का अधिकाधिक उपयोग करें।

कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ हिंदी अधिकारी रमेश बौरा ने किया। अंत में प्रशासन नियंत्रक जय शंकर शरण ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए संस्थान के निदेशक डॉ पी सी पंचारिया के मार्गदर्शन हेतु आभार व्यक्त किया तथा सभी अधिकारियों, निर्णायकों व प्रतिभागियों को आयोजन को सफल बनाने के लिए धन्यवाद दिया।